

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर ने किया पौधरोपण

○ निदेशक डॉक्टर सीमा परोहा ने कहा- मानसन पूर्व वक्षारोपण हमारी प्राथमिकता

માનુલ ત્રિલેટી

काम्पनी देवन। गोदाव अक्षया
मध्यम, काम्पनी पूर्व
में ५.६.२०२४ को लिखा गया इसका
दिक्षिण के अधिकारी पर उपलब्ध कर्तव्य
द्वारा प्रतिक्रिया की गई। इसके बाहर एवं प्रत्येक
प्रत्याख्यान के मुख्य संग्रहालय के
सम्बन्ध में संभवतः काम्पनी देवन
की सम्भावना की जिक्र की गई।
जिक्र की गयी वास्तविकता
में निम्न तरफ़ पर निम्नलिखित नियम
थाएँ। यामा एवं हैंड व कल्याच का
सम्बन्ध एवं विवरण का
प्रत्येक वास्तविक वास्तविक
काम्पनी देवन के अधिकारी व
नियम एवं विवरण का विवरण
करना चाहिए। अतः वास्तविक
वास्तविक वास्तविक काम्पनी देवन
के अधिकारी व नियम एवं
विवरण का विवरण करना चाहिए।

विनायक चतुर्दशी दिवस के अन्तर्गत प्रामाण्य सूर्य और चंद्रमा वह बहुत मौलिक विषय है कि उदासीन करते हुए योग योग्य हो करा कि दूरी में विद्युत का विनायक और विद्युत का दूर कर दें। भारत में सालाना उत्तम विनायक विहार जैसे उत्तम के पास विनायक गणेश का विनायक 16.1 है। इसे किसिको की प्रस्तुत गोपनीयता को बढ़ाया गया है जिसमें 25.7, प्राप्तिरोध 9.73 और एक्सिप्रेसियन का 1003 अवकाश करना बड़ा है। विनायक वह बहुत लंबा दूरी में बाय रहता है। इस दूरी के बाद उत्तम



जर तोगा और इसमे उन्होंको की
एनसू बेगी और लाश में कमी
पाएगा।

प्रदर्शक महेश्वर ने तत्त्वाका किंवदन्य में हमारी योग्यतामुख्य परापरावाले उपरान्त अपेक्षा जिस पोषण तत्व को अपेक्षा करते हैं तो उसके अनुभव लेखिक विद्यमान देखने का भी हो। ताकि अपने अपने अनुभवों से तेजार योग्यता ताइद बनाए और आपने अपनी जीवन की जिम्मेदारी को अपने अपने अनुभवों से तेजार योग्यता ताइद बनाए।

दीनार टाइम्स

100

DGT दीनार
वाहनसं

|29

देश में उर्वरकों की खपत अधिक और उत्पादन बहुत कम



ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ | କାନ୍ତପୁର
ରାଜ୍ୟାଧିକ ପାଇବା ରାଜ୍ୟାଧିକ, ଚିତ୍ତ
ପରିଚାରକାଣ୍ଠେ ଯାହାକୁ ଆଜ୍ଞା ପର
ରାଜ୍ୟାଧିକ କାନ୍ତପୁର ଦେବାଳ୍ ପାଇବି
ଏହା ପରିମାଣ କିମ୍ବା ପରିମାଣ
ପରିଚାରକାଣ୍ଠେ ଯାହାକୁ ଆଜ୍ଞା ପର
ରାଜ୍ୟାଧିକ କାନ୍ତପୁର ଦେବାଳ୍ ପାଇବି
ଏହା ପରିମାଣ କିମ୍ବା ପରିମାଣ
ପରିଚାରକାଣ୍ଠେ ଯାହାକୁ ଆଜ୍ଞା ପର
ରାଜ୍ୟାଧିକ କାନ୍ତପୁର ଦେବାଳ୍ ପାଇବି
ଏହା ପରିମାଣ କିମ୍ବା ପରିମାଣ
ପରିଚାରକାଣ୍ଠେ ଯାହାକୁ ଆଜ୍ଞା ପର
ରାଜ୍ୟାଧିକ କାନ୍ତପୁର ଦେବାଳ୍ ପାଇବି

पूर्व वर्ष पर सुनहरा उल्लंघन से पेट हांसानी तासारी प्राप्तिकाला हो गया। प्राचीनतमात्रा के लिये विभिन्न प्राप्तिकाला के पेट में लोकोंवाला बाबू, कलिनीष्ठा विलिम अधिकारी (पृष्ठीय राजायान) द्वारा उपलब्ध कराया गया।
विभिन्न प्राप्तिकाला विभिन्न से अप्रसर पर स्थितीयां शुद्धी और पोषणा दिवालीया जीताईदौरा द्वारा कई का उद्घाटन करते दूसरे पर रोटीयां परोटी जै बाज लिए देखा जाए तो उनकी जीवन

2023-24 गोदे राजिकाती प्रदान करारी है। सरकार लिखातों के द्वारा उत्पादन 16.1 किलोग्राम की उत्पादन की मात्रा को पुटा करने के लिये सारकार ने उत्तरकर्णिकाती के लिये लागतम 21.5

प्रियोनिन गैलेट लक्षण से आत्मज्ञान
मिथ्या है।
इसका की वार्षिकप्रती
एवं विद्युत प्रवाहा तथा अस्ति-
त्वानुभावानुभावी परी के द्वितीय
प्रवाह गोलांगुली एवं अंगुष्ठा
बाबू, जिनका विशेषज्ञान
अप्राप्यता (विद्युत राखावाय)।
इसका विशेषज्ञान कार्यालय या
विशेषज्ञान विभाग के द्वारा
प्रदान किया जाता है। इसका
प्राप्ति विधि यह है कि अप्राप्य-
ता विद्युत गोलांगुली वा अंगुष्ठा
वाली (विशेषज्ञानी गोली) का वासन
के अप्राप्यता प्राप्ति विभाग से (वृक्ष-
परी के विशेषज्ञानी विभाग से)
(उपर्युक्त) के अन्तर्गत अप्राप्यता
वाली गोली का विशेषज्ञान
आत्मज्ञानानुभावानुभावी विशेष-
ज्ञान देकर उसकी की प्राप्तिज्ञानिक
इकाई की रूपान्वय से अवश्य

A group of men in white shirts and hats gathered outdoors.

प्रत्यावरण के नये असामर सेवार्थी होंगे। इस प्रकाशन में लिखित लेप हो दूर्यावरण रहित बाहरी क्षमताएँ दर्शाएँगी जो अभी प्रत्यावरण भवन में उपलब्ध होती हैं। और इसलिये यहाँ लिखित वाचनों में विविध विधानों की विविधता के अप्रत्यक्ष इन वाचनों का रखाया गया है। यहाँ लेपार्टमेंट वर्गीकरण द्वारा विभिन्न विभिन्न वर्ग से विद्यमानों के इस्तेवदार लाभ हो जाएगा।

A group of people, including a man in a white shirt and a woman in a pink dress, participating in a tree planting ceremony. A young boy is also visible in the foreground.

करने वालों की मुख्यता
देखेंगी और लागत में कमी
सिद्धांशु ने बताया कि
विशेष रूप से अधिक उत्तम
उत्पादन के लिए उत्तम
लिंगों का नियन्त्रण
प्रयोग तभी की जानी होती
है। इसके अलावा उत्तम
उत्पादन करने की भी है। यदि
विशेष रूप से अधिक उत्तम
उत्पादन किसानों को सिद्धांशु
द्वारा दी जाए तो उत्पादन
विशेष रूप से अधिक उत्तम
उत्पादन करने की जानी होती
है। यदि यह उत्पादन करने
की जानी होती है तो उत्पादन
विशेष रूप से अधिक उत्तम
उत्पादन करने की जानी होती
है।

वर्षागत में अधिक पोषक तत्वों का प्रयोग को बढ़ावा देता है। इसका फल यह है कि विद्युतीय विद्युत का उपयोग जैविक विद्युत का एक अद्भुत विकास किये जाने के लिए प्रयोग करने की सोच की स्थिति बदल दी गई है। इसके पास एक और प्रयोग दिया जाता है कि एक अधिक विद्युत की विद्युत का उपयोग की जाती है। विद्युतीय विद्युत का उपयोग विद्युतीय विद्युत का उपयोग की जाती है। विद्युतीय विद्युत का उपयोग विद्युतीय विद्युत का उपयोग की जाती है। विद्युतीय विद्युत का उपयोग विद्युतीय विद्युत का उपयोग की जाती है।

एन एस आई निदेशक ने परिसर में दोपे पौधे

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संस्थान कर्मियों द्वारा प्रकृति से निःशुल्क रूप से प्रदत्त पर्यावरण के प्रमुख संघटक पेढ़ों के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लेते हुये संस्थान की निदेशक, प्रो. (डॉक्टर) सीमा परोहा की अगुआई में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया गया। प्रो. सीमा परोहा ने बताया कि संस्थान परिसर में जिन स्थानों पर पेढ़ों की मात्रा कम है उनको चिह्नित कर लिया गया है और मानसून से पूर्व वहाँ पर वृहद रूप से पेड़ लगाना हमारी प्राथमिकता है। वृक्षारोपण के



एन एस आई परिसर में वृक्षारोपण करती निदेशक व अधिकारी।

लिये विभिन्न प्रजातियों के पेड़ डिराइव्ड मोलासेस इकाई का डॉ. लोकेश बाबर, कनिष्ठ वैज्ञानिक उद्घाटन करते हुये प्रो. सीमा परोहा अधिकारी (कृषि रसायन) द्वारा ने कहा कि देश में उर्वरकों की उपलब्ध करवाये गये। इस अवसर पर स्टंटवाश ड्राई और पोटाश खपत अधिक और उत्पादन बहुत कम है।

The Pioneer

Country's fertiliser consumption high: Paroha

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

The National Sugar Institute (NSI) inaugurated the spent wash dry and potash derived molasses unit on World Environment Day on Wednesday. Director Prof Seema Paroha stated that the country's fertiliser consumption is high while production is very low. The annual fertiliser usage in India accounts for only 16.1 per cent of global usage. Indian farmers have to import 25 per cent of nitrogen, 90 per cent of phosphorus and 100 per cent of potassium, resulting in a significant expenditure of valuable foreign currency. India is the world's largest importer of fertilisers. The Indian government provides substantial subsidies to keep fertiliser prices low for farmers. For the fiscal year 2023-24, the government allocated approximately 21.5 billion dollars for fertiliser subsidies to meet farmers' demands. Dr Ashok Yadav, Assistant Professor of Agriculture



NSI Director Prof Seema Paroha felicitating an employee on World Environment Day.

Chemistry, elaborated on the unit's operation, explaining that the experimental unit for fertiliser production combines nutrient-rich spent wash dry powder, potash-derived molasses, and liquid manure (LM) and fermented organic manure (FOM) obtained after producing compressed biogas (CBG) to prepare fertilisers as needed. This process also enables the production of organic, chemical-free vermicompost and compost. After various stages of testing at the institute, these fertilisers will be tested on the institute's farm.

Subsequently, the technology will be transferred to factories for extensive use by farmers. This initiative will be a game changer in the fertiliser sector, improving fertiliser quality and reducing costs. The director mentioned that future plans include preparing organic fertilisers based on soil testing to address specific nutrient deficiencies. Products prepared from spent wash dry, potash-derived molasses and CBG from sugar mills are a significant step towards self-reliant India, promoting the use of more nutrients at a lower cost for farmers. The institute has received several projects from sugar mills in this regard which are progressing rapidly. Upon completion, sugar mills will also benefit from additional revenue. Expressing gratitude to the speakers and audience, Assistant Director (OL) Mallika Dwivedi thanked everyone for their participation in the program. Earlier, extensive tree plantation was carried out at the NSI under the leadership of the Director Prof Seema Paroha. The

staff resolved to protect and enhance the key environmental component provided freely by nature - trees. Prof Seema Paroha mentioned that areas within the institute's campus with fewer trees have been identified and planting trees on a large scale in these areas before the monsoon is our priority. Various species of trees were provided for plantation by Dr Lokesh Babar, Junior Scientific Officer (Agricultural Chemistry).

CELEBRATED: The World Environment Day was celebrated at Kendriya Vidyalaya IIT Kanpur. Principal Ravish Chandra Pandey along with teachers and students planting saplings of mango tree and Ashok tree. The programme started with the nature walk. Programme coordinator Ekta Sharma explained the importance of tree plantation and informed that various activities will be organised till June 15 under a programme 'Mission LIFE.. Priyanka Tewari, Punam Shukla, Bharti Mishra and SK Dwivedi planted saplings.

राष्ट्रिय सहारा



पौधरोपण कर बचायें पर्यावरण

प्रकृति से निःशुल्क मिले पेड़ों के संरक्षण व संवर्धन का संकल्प



झकरा संस्कार में
पर्यावरण विवरण प्र
क्रिये जब तक कार्यक्रम
तो आयोजन
सैन्यदाता द्वारा न
प्रोत्साहित किए हुए
शोलामेंट इकाई का
शी दृष्टि उपचारन

प्रतिवर्षीय रूप से जलवायिका की दृष्टि से जल बचाने के लिए जलमंडि और जलसंग्रह के लिए अन्तर्राष्ट्रीय 215 विभिन्न जल संग्रहीकरण परियोजनाएँ आयोजित की गई हैं। इनमें से कुछ जलसंग्रहीकरण परियोजनाएँ जल बचाने के लिए जल संग्रह के लिए विशेष विधियों के अन्तर्गत आयोजित की गई हैं। जल संग्रह के लिए विशेष विधियों के अन्तर्गत आयोजित की गई जलसंग्रहीकरण परियोजनाएँ जल बचाने के लिए जल संग्रह के लिए विशेष विधियों के अन्तर्गत आयोजित की गई हैं। जल संग्रह के लिए विशेष विधियों के अन्तर्गत आयोजित की गई जलसंग्रहीकरण परियोजनाएँ जल बचाने के लिए जल संग्रह के लिए विशेष विधियों के अन्तर्गत आयोजित की गई हैं।

जनसत् योगीकरण छात्र विद्या राजनी चीज़ है। यहाँ पे रेसा लोटाहार कुटुं भेटाहा छिक्कल मेलामेंद व गोवा विद्यालय अवलोकनार्थी शारदा को भी एक बोधी बच्चा है। यहाँ लिखा कि वे विद्यालय को भवित्वात् दिलानी विद्यालय विद्यालय विद्यालय विद्यालय।

आज

पौधरोपण के साथ पेड़ों की महत्ता पर प्रकाश डाला

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 5 जून। गांधीजी भक्तों सम्मेलन, विषय प्रवादण दिवस के अवसर पर संस्कृत कार्यक्रमों से बचकर से नियन्त्रण रूप से प्रति व्यापक के प्रभुत्व संस्कृत पेड़ों के संस्कृतण और संस्कृत का संस्कृत विद्युत है संस्कृत की निर्देशन ग्रीष्म (ट्रॉफिटर) सीमा परीक्षा की आगाही में व्यापक संघर पर चुनौतीपूर्ण किया गया। निर्देशक के बताया कि संस्कृत परीक्षा में जिन स्थानों पर विद्युत की मात्रा कहा है उनका विनियन कर लिया गया है और सम्मेलन से पहले वहाँ पर चुनौतीपूर्ण व्यापकीयों के देख लौटेका बाबू, विभिन्न



कर्पंचारी को उपाहार देती निदेशक प्रो. सीमा परोहा

पोक तरलों से भए प्रभु स्वेच्छारा द्वारा पोकड़, पोटां
के डिलाकड़ मालवीय सब्ज़ी की बोनी, (क्रेपेस यारी
में), बनाने के तथात प्राप्त द्रव धातु (खु) व
तांत्रिक आर्गेनिक तांत्रिक धातु (खु) के अन्तर्गत
पोक तरलों की मिलिनारा और एक तांत्रिक तांत्रिक
द्रव धातु करने की प्रयोगीता तो स्थानों से
जैविक तरलों के बरे अवसर होती है। इस प्रयोग
में जैविक रूप से रसायन गैरित बनी कॉफेट एवं
कॉरेट की भी उपयोग संभव है। इस दिशा में
जैविक तरलों से ग्राहण की को प्रयोग करने की
पर तो तो की काफ़ी ज़्यादा है। इसके पांच हज़ार पर जैवी
मिलिनों की भी अधिकतरीक रोगों की प्राप्त जागीरी अप्रैत्या
मालवीय दिलाकड़ों से अधिकतरीकों की अप्रैत्या बताया।

प्रयागराज / कञ्जीज / उन्नाव

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

संवाददाता

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, विश्व पयारिंद्रण दिवस के अवसर पर संस्थान कमिंटीज़ों द्वारा प्रकृति से निः शुल्क रूप से प्रदत्त पयारिंद्रण के प्रमुख संघटक पेड़ों के संरक्षण और संवर्धन का संकलन लेते हुए संस्थान की नियंत्रक प्री, (डॉक्टर) सीमा परोडा की अगुआई में व्यापक स्तर पर बुढ़ारोपण किया गया। प्री. सीमा परोडा की तबाया कि संस्थान परिसर में जिन स्थानों पर पेड़ों की मात्रा कम है उनको चानपुर से कर लिया गया है और मानसुन से पूर्व वहाँ पर बुढ़ारोपण से पेड़ लगाना हमारी प्राथमिकता है। वृक्षारोपण के लिये विभिन्न प्रजातियों के पेड़ डॉ. लोकेश बालवर, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (वृषि रसायन) द्वारा उपलब्ध करावाये गये। विश्व पयारिंद्रण दिवस के



अबसर पर स्पेंटवाश डाई और पौटाश डिराइन्ड मोलासेस इकाई का उद्घाटन करते हुये प्रो. सीमा परेहा ने कहा कि देश में उर्वरकों की खपत अधिक और तालिमन बहुत कम है। भारत में सालाना उत्पयोग किये जाने वाले उर्वरकों की मात्रा वैश्विक

उपयोग का केवल 16.1 प्रतिशत है। देश के किसानों को प्रमुख पोषक तत्वों की कमी यथा-नाइट्रोजन 25 प्रतिशत, फास्फोरस 90 प्रतिशत और पोटेशियम का 100 प्रतिशत आवश्यकता पड़ता है। यहाँ से बहुमूल्य विदेशी मद्रा व्यव होती है।

सच का अहमियत

राष्ट्रीय शक्ति संस्थान में निदेशक डॉ सीमा परोहा की अगुवाई में हुआ वृहद वृक्षारोपण

पंकज अवस्थी, सच की आहंगियत



के लिये 16.1 किलोमीटरों की उचाई की पूरी स्थिति के लिये तापमान देखने वाली अवधि के लिये तापमान 21.5 विशिष्टता वाले रूपों में अवधि के उचाई की अवधियों पर विभिन्न प्रकाश उत्तरों पूर्व कांड-प्राचीन पर विभिन्न प्रकाश बनाते हैं। जैसे लैनोन बढ़ाने वाली अवधि (प्राचीन रासायन) द्वारा उत्तरों का बढ़ाने वाला अवधि वाला, सामाजिक अवधि की विशिष्टता के लिये एक विशिष्ट विकास विकास वाला बढ़ाने वाला, संस्कृता डिविडिंग विकास वाला और अन्य संस्कृतीय (वॉल्टरी पर्सिया) विकास के द्वारा ग्राम प्रब्रह्म वाला व फॉर्मेट अपरिवर्तनीय विकास के अन्य अवधियों के द्वारा उत्तरों की विभिन्नता अवधियों अनुसार उत्तरों वाले करने की प्रारंभिक अवधि की विकास से जुड़कर उत्तरों के नये अवधियों तक इन प्रारंभिक से जोड़कर एक से दो साथ वाली अवधि विकास विकास की तरफ बदलने वाली अवधि विकास विकास के उत्तरों की संस्कृता में विभिन्न विकास के उत्तरों की संस्कृता के विकास होना विकास विकास के उत्तरों की संस्कृता द्वारा

सत्य का असर

सत्य का असर समाचार पत्र

06,06,2024 jksingh hardoi agmail com मोबाइल नंबर 9956834016

कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में विश्व पद्धतिवरण दिवस के अवसर
पर संस्थान में कर्मियों द्वारा निदेशक, प्रो. (डॉक्टर) सीमा परोहा की
अगुवाई में किया गया व्यापक वृक्षारोपण



वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

सत्य का असर समाचार पत्र

कुकुर्ही की कार्यप्रणाली पर विश्वन प्रकाश डालने तुम्हेकर्यप्रणाली पर विश्वन प्रकाश डालेंगे जैसा कहा गया था। अमोनी यादव, मायावती अध्याचार्य कुमार सरावन ने बताया कि, पौष्णक तत्त्वों से भरपूर संदर्भवाचा द्वारा पावरद, पौष्णाचा दिवाडल मानवास एवं इसी की जी. (अवधारणा वाचन) गीते के उत्तरात पापा द्वारा खाद (LM) के बाबत अमोनी कवाच (FOM) के अन्त अवधारणा पापक तत्त्वों का नियन्त्रण असाधारणतावर्गरक्त तियां बताने की प्राप्तिकां डिक्कावी जी स्वयमाना से ऊर्ध्वरक्त उत्तरादन के नामे विद्यारथ देयार होती है। इस कवाचमें जीवित रूप से अवधारणा वहित वर्षों कोपाने एवं बोकाने की भी उत्तरादन संभव होता। सर्वात्मन ने विद्यारथी बचानी से परीक्षण के उत्तरादन द्वारा वर्षों का सर्वात्मन के प्रमाण उत्तरादन में परीक्षण होता। इनके बाबत विद्यारथी के सर्वात्मन द्वारा विद्यारथी की उपायता बद्धी और अलापत में जीव आयती। निदेशन महादेवी ने बताया कि भवितव्य में सर्वात्मन जीवानामान विद्यारथी के उत्तरादन उसका विषय पोषक तत्त्व की कीमी होती जैसे उन्नतपूर्ण परीक्षण वाला तेवर काम की भी है। जीवी मिलों से देयार रस्ताचा द्वारा, पौष्णाचा दिवाडल भोलासें और इसी की जी. जी से तेवर उत्तरादन अवधारित वर्षों की और एक महानुपायी की कठाना है। जी विद्यारथी बालों का कान लाता व उनकी पोषक विद्यारथी की प्राप्तिकां को बढ़ावा देता है। दूसरा दिवामें जीवी मिलों से सर्वात्मन को कई प्राणेष्ट शिले हैं जिन पर तेवी से कार्य नहीं हो सकता है। इसके पूर्ण होने पर जीवी मिलों की भी अतिविशेष राशनकी प्राप्ति होती है। वर्षोंका और बोतोंका काम आपका प्रबल कठोर होता और श्रीमती मालिकानी द्वारा, सर्वात्मन निदेशन (रा. रा.) की सभी को सेमीनार में भागीदारी के लिए वर्षावाद जारी किया जातिले

शहर दायरा न्यूज़

**राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक डॉ सीमा परोहा
की अगुवाई में हुआ वृहद वृक्षारोपण का आयोजन**

शहर दायरा न्यूज़



सरकार ने उत्तरक समिक्षको की लिये सांगित्र
21.5 विविधत दौरान कामये आवादित किए
थे।
इन्हाँको कामार्पणालाई पर विस्तृत प्रक्रम
उपलब्ध हुए। बारं बारं पर विस्तृत प्रक्रम
जल्ला, डिलोक्शन बारं, अन्तिम डैकेट
अधिकारीको (कॉम्पनी स्ट्रेस) द्वारा उत्तराखण्ड
कर्तव्यों ग्रहे थे। अधिकारी बारं, सहायता
आवाद इच्छी रसायन ने कहा कि पोषक
तत्वों में भूमि-भूमि काम इन्हाँका पावड़क
पोषक विद्युतीय संरचना की सेवा एवं संरक्षण
(वर्किंग बारं जैसे) बनने के उपरांत आवाद
द्रव्य खाद्य व पर्याप्त आधिकारी खाद्य के
अन्त आवादका पोषक तत्वों को मिलाकर
आवादकाता अन्तर उत्तरक तैयार करने
की प्रयत्नता इन्हाँको की स्थापना थी। इन्हाँको
उत्तरावत के नेते अधिकारी तैयार होंगे। इन्हाँको
प्रक्रिया में जीवका रूप से रसायन रहित
संरक्षण विकास की ओर आवादका प्रयत्न
अन्त की कोरिक्ष एवं एक विकास की ओर आवादका
संरक्षण होगा। संस्थान में विविधत चर्चाएं ने
परीक्षण की ओपरेशन की उत्तरावत का संस्थान
के नाम दातान के नाम परिवर्तित हो दिया।

अमर उजाला

चीनी मिलों के अपशिष्ट से बनेगी खाद

मार्टि सिटी इंपोर्ट

कानपुर। चीनी मिलों और डिस्ट्रिलरियों से निकलने वाले अपशिष्टों से पौष्टिक खाद बनाई जाएगी। इससे भूमि की उर्वरकता बढ़ेगी। बुधवार को एनएसआई की निदेशक डॉ. सोमा परोहा ने ग्रीन एनजी कम्पोस्ट प्रोडक्शन यनिट का उद्घाटन किया।

उन्होंने बताया कि इस विधि से जैविक रूप से अर्थमें कम्पोस्ट एवं कम्पोस्ट का भी उत्पादन संभव होगा। इसमें किसी प्रकार का रसायन नहीं होगा। इसके अलावा पेड़ों के पत्तों से भी खाद्य बन जाएगी। आपी देश में उर्वरकों की खपत अधिक और उत्पादन कम है। पर्यावरण दिवस पर एनएसआई में पेड़ों के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया गया। परिसर में पौधोंपाण किया गया

सहायक आचार्य (कृषि रसायन) डॉ. अशोक यादव ने बताया कि प्रायोगिक इकाई की स्थापना से उर्वरक उत्पादन के नए अवसर तैयार होंगे। संस्थान में विभिन्न चरणों में परीक्षण के बाद इन उर्वरकों का संस्थान के फार्म हाउस में परीक्षण होगा। इस दौरान पौधरोपण भी किय गया।

एनएसआई में ग्रीन एनर्जी
कम्पोस्ट प्रोडक्शन यूनिट शुरू
जैविक रूप से बर्मी कम्पोस्ट
बूकाप्रोसेस सा दोगा उत्पादन



The Indian Express

Vaishnav, Bollywood dance of Snagun, Yashwant and Kartik and songs of Nanakisnore, Aman received cheers.



NSI Kanpur organizes tree plantation on World Environment Day

On the occasion of World Environment Day on June 5, 2024, at the National Sugar Institute in Kanpur, extensive tree plantation was carried out under the leadership of the Institute's Director, Prof. (Dr.) Seema Paroha. Prof. Seema Paroha mentioned that areas within the institute's campus with fewer trees have been identified, and planting trees on a large scale in these areas before the monsoon is our priority. Various species of trees were provided for

plantation by Dr. Lokesh Babar, Junior Scientific Officer (Agricultural Chemistry). Expressing gratitude to the speakers and audience, Mallika Dwivedi, Assistant Director (OL), thanked everyone for their participation in the program.



THE INDIAN EXPRESS, SATURDAY, JUNE 8, 2024

Digital News

- प्रो. सीमा परोहा ने बताया कि संस्थान परिसर में जिन स्थानों पर पेड़ों की मात्रा कम है कानपुर में जगह-जगह पर्यावरण दिवस का हुआ आयोजन: संस्थानों में पौधा लगा जीवन भर रक्षा करने की ली शपथ